
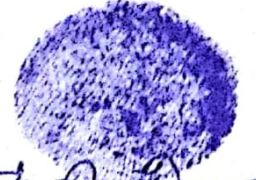



20. 8. 18

जनाबों पेय डी/ वनील उन्मपुत्र/ वरुणाथ ३५०।
 प्रमोडिण ने जरीने नकिमता प्रो५० वावत, कलठडुका
 वनाचे पारने कापुंय किना निरु सुफार किने पारने
 पर कलठ मपुवी को कडि कापति नही है कुना
 प्रो५० वावत, नामक पुकाय वनाचे पारने का सुफार
 किना जाता है। उन्मपुत्रकारा० ने एक प्रो५० वावत
 राजीनामा कापुंय करके वंदन किना कि उन्हे
 नमालय उप२०६, मफिमल सारा दिनांक १०.७.१७
 को पारी नकीमास कादिम निरुय नकीकार है। उन्मपुत्र
 ने सास कि उन्हे हाजा नमालय के निरुय दिनांक
 १०.७.१७ पर कडि कापति नही है तथा उव के निरुय
 दिनांक १०.७.१७ के अनुसार रास्ता प्रुके को नही है।
 उन्मपुत्रकारा० ने सास कि उन्के प्रकार म रास्ते के
 काठर कडि निरुय नही है तथा प्रमोडिण सारा हाजा
 कराड गड रासा मने लोलका जावे।

उन्मपुत्रों का मुनाजमा
 इकि प्रकार ने मजा नमालय सारा दिनांक १०.७.१७
 को पारी निरुय पर कडि कापति नही है तथा
 हाजा नमालय के निरुय दिनांक १०.७.१७ का
 मनावत रजा जाता है तथा नमालय उन्मपुत्रवाली
 को कापुंय किना जाता है कि प्रमोडिण सारा जम
 राशी को निमालयुयार लोलका जावे, उन् वावत तबीर
 जारी हो। पनावली कोमल, सुमार हेकर नमाल स मने
 हो म कापुंय वपत है।

उपखण्ड अधिकारी
 उन्मपुत्रवाली (मुनाजमा)

सुरेधर सिंह
 पु. मा. व. क. र.
 उन्मपुत्र

 म. नि. शिवली डी. व.

 क. नि. उन्मपुत्र
 १-७
 ३०-१०३

महाकिर सिंह
 सुभागा म
 सुभागा म
 कर्मवीर सिंह
 उन्मपुत्र
 म. नि. शिवली
 सुभागा म

 म. नि. शिवली
 म. नि. शिवली